DBY-19070201021000 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. II) (CBCS) Examination

July - 2022

Hindi : Core-203

(हिन्दी कहानी साहित्य)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ कहानी के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ प्रेमचन्द के जीवन–कवन की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

२ कहानीकला के तत्वों के आधार पर 'परदा' कहानी की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

२ 'ब्रह्मराक्षस का शिष्य' कहानी का कथानक लिखकर उनके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए । १५

(१) 'पंडिताइन – अच्छा इस बखत तो आग दिये देती हूँ, लेकिन फिर जो इस तरह कोई घर में आयेगा तो उसका मुँह ही जला दूँगी ।'

(२) 'मियाँ, पैसे कहाँ इस जमाने में ! पैसे का मोल काड़ी नहीं रह गया । हाथ में आने से पहले ही उधार में उठ गया तमाम ।'

(३) 'हाय बादशाहों की बेगम होना भी बदनशीबी है । इन्तजारी करते–करते आँख फूट जाय, मिन्नते करते–करते जबान घिस जाय अदब करते–करते जिस्म के टुकड़े–टुकड़े हो जाँय, फिर भी इतनी–सी बात पर की मैं जरा सो गई, उनके आने पर जाग न सकी, इतनी सजा ? इतनी बेइज्जती ?'

(४) 'औरतों की तरह रोता क्यों है ? मर्द बन माँ ने रोष में कहा । मानव के मन में आया कि वह माँ से कहे कि तू तो औरत है, एक बार औरतों की तरह रोती क्यों नहीं ?'

(५) 'इस के साथ ही भारतीयता का एक और नमूना था । अपने कालेपन को खुरद–खुरद कर बहा देने की इच्छा करने वाले अंग्रेजीदाँ पुरुषोत्तम भी थे, जो नेटिव को देखकर मुँह फेर लेते थे और अंग्रेज को देखकर आँखे बिछा देते थे और दुम हिलाने लगते थे ।'

४ प्रेमचन्दजीने समाज की समस्याओं को अपनी कहानियाँ के माध्यम से प्रकट किया है – इस सन्दर्भ में सद्‌गति कहानी की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

४ 'बू' कहानी के कथानक की चर्चा करते हुए उनके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १५

५ 'दुःखवा मैं कासे कहु मोरी सजनी' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १०

अथवा

५ बेनीमाधव का चरित्र–चित्रण कीजिए । १०